न्यूज डायरी

चीन के केंद्रीय बैंक पीपुल्स बैंक आफ चाइना ने सभी क्रिप्टो लेनदेन अवैध ठहराया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। चीन के केंद्रीय बैंक ने शुक्रवार को क्रिप्टो करेंसी ट्रेडिंग की अवैध गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए बड़ा कदम उठाते हुए सभी क्रिप्टो लेनदेन अवैध को अवैध करार दिया। केंद्रीय बैंक ने विदेशी एक्सचेंजों को इंटरनेट के माध्यम से चीनी निवेशकों को सेवाएं प्रदान करने से प्रतिबंधित कर दिया। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने यह भी कहा कि नया कानून वित्तीय संस्थानों, भुगतान कंपनियों और इंटरनेट फर्मों को क्रिप्टो करेंसी में व्यापार करने की सुविधा से रोक देगा। साथ ही साथ ऐसी गतिविधियों से जोखिमों की निगरानी को मजबूत प्रदान करेगा। मालूम हो कि चीन की स्टेट काउंसिल या कैबिनेट ने मई में वित्तीय जोखिमों को दूर करने के प्रयासों के तहत बिटक्वाइन माइनिंग और ट्रेडिंग पर नकेल कसने को लेकर प्रतिबद्धता जताई थी।

सऊदी अरब में साढ़े पांच लाख विदेशी कामगारों ने छोड़ी नौकरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रियाद। सऊदी अरब में काम करने वाले विदेशियों की संख्या लगातार कम हो रही है। पिछले एक साल में सऊदी में साढ़े पांच लाख से अधिक लोगों ने नौकरी छोड़ी है। विदेशी कामगारों की नौकरियों के हिसाब से सऊदी अरब खाड़ी के टॉप तीन देशों में शुमार है। सऊदी अरब में इस समय 61 लाख विदेशी कामगार काम कर रहे हैं। पिछले कई महीनों में सऊदी अरब ने अपने देश के श्रम कानूनों को काफी लचीला भी किया है। सऊदी अरब की जनरल अथॉरिटी ऑफ स्टेटिक्स एंड जनरल ऑर्गनाइजेशन ऑफ सोशल इंश्योरेंस के आंकड़ों के अनुसार, जून 2020 और जून 2021 के बीच निजी और सरकारी क्षेत्रों में काम करने वाले विदेशियों की संख्या में 571,000 की कमी आई है। प्रतिशत के लिहाज से विदेशी कामगारों की संख्या में यह 8.52 फीसदी की गिरावट है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में काम कर रहे सोशल इंश्योरेंस सिस्टम में सऊदी और गैर–सऊदी लोगों की संख्या 87 लाख से घटकर 82 लाख पहुंच गई है।

सूरज पर उठे तूफान कहीं उड़ा न दें सैटलाइट, रखनी होगी नजरः स्टडी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बेंगलुरु। धरती पर संपर्क से लेकर नैविगेशन तक के लिए सैटलाइट्स कई अहम भूमिकाएं निभाती हैं। इसलिए ये जानना जरूरी है कि जमीन से इतनी दूर इन्हें क्या नुकसान पहुंच सकता है और किससे खतरा हो सकता है। भारतीय वैज्ञानिकों की एक स्टडी में बताया गया है कि कैसे सूरज के वायुमंडल का असर अंतरिक्ष के मौसम पर पड़ता है जहां ये सैटलाइट चक्कर काट रही हैं। अच्छी बात यह है कि जल्द ही शुरू होने वाले भारत के पहले सोलर मिशन आदित्य–L1 से मिलने वाला डेटा सूरज के वायुमंडल और सैटलाइट्स पर होने वाले असर को और ज्यादा साफ कर सकेगा। द वेदर चौनल के मुताबिक धरती के पास अंतरिक्ष के क्षेत्र और सौर हवाओं से स्पेस का मौसम तय होता है। इसका असर अंतरिक्ष में घूम रहे उपकरण की परफॉर्मेंस और धरती पर स्थित टेक्नॉलजिकल सिस्टम पर पड़ सकता है।

तालिबान के आगे झुकने को तैयार नहीं यह अफगान लड़की, मुझे स्कूल जाना है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान का शासन लागू होने के बाद से महिलाओं और बच्चियों के अधिकारों पर चिंता जताई जा रही थी। जब तालिबान ने देश में स्कूल खोलने का ऐलान किया, तब भी टीचर्स के साथ लड़कों को बुलाया गया, लड़कियों का जिक्र नहीं किया गया। कुछ तस्वीरें सामने आईं जिनमें देखा गया कि लड़के और लड़कियां एक क्लास में तो बैठे हैं लेकिन बीच में पर्दा पड़ा है। हालांकि, इस तरह के नियमों के खिलाफ देश सड़कों पर उतरने लगा है। अब एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें देखा जा सकता है कि एक अफगान लड़की आवाज बुलंद करके मांग कर रही है कि लड़कियों को भी स्कूल जाने दिया जाए। अफगान पत्रकार बिलाल सरवरी ने ट्विटर पर यह वीडियो शेयर किया है जिसे 60 हजार से ज्यादा लोग शेयर कर चुके हैं।

अमेरिका में पीएम मोदी की सफल कूटनीति से चित हुआ पाकिस्तान

कूटनीति

हैरिस और बाइडन मिलकर भारत–अमेरिका के रिश्ते मजबूत करें: पीएम मोदी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे से चीन और पाकिस्तान की बेचौनी बढ़ गई है। चीन और पाकिस्तान दोनों मोदी के कूटनीतिक कौशल को जानते हैं, इसलिए वह और भी भयभीत है। इसके पूर्व सितंबर, 2019 में मोदी की अमेरिका के ह्यूस्टन की यात्रा की थी। ह्यूस्टन में संपन्न हुई हाउडी मोदी रैली अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और मोदी के बीच दोस्ती की मिशाल पेश की थी।

भारत–अमेरिका के रिश्तों के लिहाज से यह बेहद उपयोगी साबित हुई थी। हाउडी मोदी कार्यक्रम में मोदी ने 50,000 से अधिक भारतीय–अमेरिकियों को संबोधित किया था। एक बार फिर मोदी अमेरिका के दौरे पर हैं। हालांकि, इस बार अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप नहीं बल्कि जो बाइडन हैं। चीन और पाकिस्तान की निगाह मोदी की इस यात्रा पर टिकी है। मोदी की अमेरिकी यात्रा से दोनों देश क्यों सहमे हुए हैं।

प्रो. हर्ष वी पंत ने कहा कि प्रधानमंत्री अब तक अपने अमेरिकी मिशन में बेहद सफल रहे हैं। उन्होंने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के समक्ष आतंकवाद पर पाकिस्तान को आइना दिखाया है। मोदी अमेरिका के समक्ष यह बताने में सफल रहे कि पाकिस्तान में अब भी आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं। उन्होंने यह प्रमाणित कर दिया कि आतंकवादी पाकिस्तान में मौजूद हैं।

बता दें कि अपनी अमेरिकी यात्रा के दौरान पीएम मोदी गुरुवार को अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से भी मुलाकात की। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के बाद यह पहला मौका था कि मोदी ने भारतीय मूल की अमेरिकी उपराष्ट्रपति हैरिस ने मोदी से मुलाकात की। आतंकवाद के मुद्दे पर हैरिस ने भारत की पीड़ा को समझा। हैरिस ने आतंकवाद और इसमें पाकिस्तान की भूमिका का मुद्दा जोरशोर से उठाया। हैरिस ने माना कि पाकिस्तान में आतंकवादी संगठन मौजूद हैं। हैरिस ने कहा कि पाक आतंकवादी संगठनों को नियंत्रित करे ताकि यह अमेरिका और भारत की सुरक्षा के लिए खतरे की घंटी है। प्रो. पंत ने कहा कि हैरिस का यह बयान मोदी की कूटनीतिक सफलता है। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं हैरिस ने सीमा पार से आतंकवाद के मुद्दे पर भारत का समर्थन किया। यह बड़ी बात है। उपराष्ट्रपति ने भारत के साथ सुर मिलाते हुए कहा कि भारत कई दशकों से आतंकवाद की चपेट में है। हैरिस ने यहां तक कहा कि इन आतंकवादी संगठनों को पाक से मिल रही मदद पर लगाम लगाने और कड़ी नजर रखने की जरूरत है।

उप राष्ट्रपति हैरिस से चर्चा में पीएम मोदी ने कहा कि मेरा और मेरे डेलिगेशन का स्वागत करने के लिए धन्यवाद। उन्होंने कहा कि कुछ महीने पहले आपसे वार्ता का मौका मिला था। ये वो समय था, जब भारत कोरोना की दूसरी लहर का सामना कर रहा था। आपने सहायता के लिए जो हाथ बढ़ाया, उसके लिए आपका शुक्रिया करता हूं।

दक्षिण कोरिया से टकराव खत्म करेगा उत्तर कोरिया?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की बहन ने कहा कि दक्षिण कोरिया अगर शत्रुतापूर्ण नीतियों और दोहरे मानदंडों के साथ उसे (उत्तर कोरिया को) उकसाना छोड़ देता है तो उनका देश उससे फिर बातचीत शुरू करने को तैयार है।

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति मून जेइ–इन ने इस सप्ताह 1950–53 के कोरियाई टकराव के समाप्त करने की घोषणा के लिए नए सिरे से आह्वान किया था, जिसके जवाब में किम यो जोंग ने शुक्रवार को ये टिप्पणियां की। वहीं, इससे उलट, तानाशाह के उपविदेशमंत्री का कहना है कि मून का प्रस्ताव ठोस नहीं है।

सैकड़ों बार हुई जंग खत्म करने की बातः किम के मंत्री री थे सॉन्ग का कहना है कि टकराव खत्म करने का मून का प्रस्ताव असामयिक है और इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि इससे उत्तर कोरिया के प्रति अमेरिका की कड़ी नीति खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि जब तक DPRK के इर्द–गिर्द राजनीतिक परिस्थितियां नहीं बदलती हैं और अमेरिकी नीति नहीं बदलती है, भले ही सैकड़ों बार जंग खत्म करने की बात कही जा चुकी हो। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया संबंधों में सुधार लाने पर दक्षिण कोरिया के साथ सार्थक बातचीतश करने को तैयार है।

पाकिस्तान में प्रवेश पर बैन के कारण मर रहे अफगानी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान द्वारा अफगानियों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के बाद पाकिस्तानी सीमा से जुड़े स्पिन बोल्डक में अफगानी मर रहे हैं। महीन इस्लामाबाद ने प्रमुख अंतरराष्ट्रीय चौराहे पर अफगानिस्तान से आने वाले लोगों के प्रवेश पर पाबंदी लगा दी है। सिर्फ पाकिस्तानियों और कंधार प्रांत के कार्डधारकों को ही देश में प्रवेश की अनुमति दी गई है। इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तान सीमा प्रवेश चौकी की तरफ जा रही एक भीड़ में एक शख्स की मृत्यु हो गई थी। वहीं बुधवार को भी यहां दो शख्स की जान चली गई। हालांकि अफगान सीमा पर गश्त करने वालों का दावा है कि डीहाइड्रेशन और हीटस्ट्रोक के कारण यहां कुछ लोगों की मौत हुई है, क्योंकि इन्हें इलाज नहीं मिल सका।

ब्रिटिश सांसद ने दी चेतावनी, जम्मू–कश्मीर से हटी भारतीय सेना तो आएगा तालिबान राज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बॉब ब्लैकमैन ने कश्मीर को लेकर दी चेतावनी

लंदन। ब्रिटिश सांसद बॉब ब्लैकमैन ने चेतावनी दी है कि अगर भारतीय सेना कश्मीर से हटती है तो अफगानिस्तान की तरह से कश्मीर में इस्लामिक ताकतें लोकतंत्र का खात्मा कर देंगी।

ब्रितानी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ कॉमन्स में कश्मीर पर चर्चा के दौरान बॉब ने कहा कि हमने देखा है कि अफगानिस्तान में क्या हुआ। उन्होंने कहा कि अगर भारतीय सेना हटती है तो जम्मू–कश्मीर के लोगों का दुख कुछ उसी तरह से हो जाएगा जैसे अफगानिस्तान में इस्लामिक ताकतों के आने और वहां पर लोकतंत्र के खात्मे से हुआ है। हाउस ऑफ कॉमन्स में ब्रिटेन के सांसद डेब्बी अब्राहम और पाकिस्तानी मूल की सांसद यास्मिन कुरैशी ने कश्मीर में मानवाधिकारों की स्थिति पर एक चर्चा को शुरू किया था। इस दौरान सांसद बॉब ब्लैकमैन ने कहा कि यह केवल भारतीय सेना और उसकी मजबूती है जिसने जम्मू–कश्मीर को तालिबान के कब्जे वाला अफगानिस्तान बनने से रोका है। उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर भारत का कानूनी और आधिकारिक रूप से अभिन्न हिस्सा है।

भारत ने प्रस्ताव पर कड़ी प्रतिक्रिया जताईः दरअसल, ब्रिटेन में सांसदों ने हाउस ऑफ कॉमन्स में चर्चा के लिए 'कश्मीर में मानवाधिकारों' पर एक प्रस्ताव रखा है। इस पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया जताते हुए कहा कि देश के अभिन्न हिस्से से संबंधित विषय पर किसी भी मंच पर किए गए दावे को पुष्ट तथ्यों के साथ प्रमाणित करने की आवश्यकता है। ब्रिटेन में कश्मीर पर 'ऑल पार्टी पार्लियामेंट्री ग्रुप' के सांसदों ने यह प्रस्ताव रखा है। विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय में एशिया की मंत्री अमांडा मिलिंग ने गुरुवार को चर्चा में द्विपक्षीय मुद्दे के तौर पर कश्मीर पर ब्रिटेन सरकार के रुख में कोई परिवर्तन न आने की बात दोहरायी।

अफगानिस्तान में फिर लागू होंगे कट्टर इस्लामी कानून!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद अब कट्टर इस्लामी कानूनों को लागू किया जाएगा। तालिबान के संस्थापकों में से एक और पूर्व कार्यकाल में इस्लामी कानूनों को कठोर व्याख्या के साथ लागू करने करने वाले एक प्रमुख प्रवर्तक ने कहा कि अफगानिस्तान में फिर से फांसी देने और हाथ काटने जैसी सजाएं देने का दौर लौटेगा। द एसोसिएटेड प्रेस के साथ एक साक्षात्कार में, मुल्ला नूरुद्दीन तुराबी ने अतीत में तालिबान के फांसी देने के तरीके पर दुनिया के ऐतराज को खारिज कर दिया है। उल्लेखनीय है तालिबान के पिछले कार्यकाल में अक्सर चोरी करने वालों के हाथ काटने जैसी सजाएं स्टेडियम में भीड़ के सामने दी जाती थीं। तुराबी ने दुनिया को अफगानिस्तान के नए शासकों के मामले में हस्तक्षेप करने के खिलाफ चेतावनी दी।तुराबी ने कहा, स्टेडियम में दंड के लिए सभी ने हमारी आलोचना की। लेकिन हमने कभी उनके कानूनों और सजा देने के तरीके के बारे में कुछ नहीं कहा।